

पाँजिटिव -

आई एम

पाँजिटिव

-लेखक कनिष्क शर्मा

पॉजिटिव -आई एम पॉजिटिव

I okɪ/kɒkj I ʃiʃkr

© 2016 कनिष्क शर्मा

ISBN-

bl iɪrd ds fdl h Hkh vāk dk iɪ#Riknu
; k fdl h ɕ.kkyh ds I gkjs iɪɕkfɪr dk ɕ; kl
vFkok fdl h Hkh rduhdh rjhds & byDVʹfud]
eɪfudy] Okvkd,i h] fjd,fMk ; k os ek/; e&
I s ys[kd dh vuɐfr ds fcuk forfjr ugha
fd;k tk I drk gS | iɪrd eaɕdkf'kr fdl h
Hkh I ɪuk dh I R; rk ds ɕfr rFkk bl I s gkus
okyh fdl h Hkh {kfr ds fy, ɕdk'kd] ys[kd
vFkok eɐd ftEenkj ugha gS |
—i; k vius veɪ; I ɕko bɛsy ds ek/; e I s
Hkst s |
/kU; okn |

email:- writerkanishksharma@gmail.com

समर्पित

उनको जिन्होंने मेरी सोच को पसंद
किया, और मेरा परिवार - जूही शर्मा,
कुनाल शर्मा, अजय कुमार शर्मा,
संगीता शर्मा |

तालिका

भाग १ - ताकतवर लेख

जीवन चलते रहने का नाम है
जीवन की सच्चाई - मृत्यु
खुले मन से जिए जीवन
स्वार्थ और अहंकार कभी ना पालें

भाग २ - महान सुविचार

महान लोगो के महान सुविचार..

भाग ३ - मेरे सुविचार

जीवन
साहस
तजुर्बा

लड़ाई
हार
सर्वोत्तम
सकारात्मकता
सफलता
बदला लेने का ख्याल
निर्नायाकता
चुनौती
खुशियाँ
उदासी
एसिड अटैक से पीड़ित लोग
सक्रियता
क्रोध
अतीत
मन
विश्वास
डर
साधना
जीव हत्या

भाग ४- अंत सन्देश

प्रेरणादायक किताब- पॉजिटिव - आई ऍम पॉजिटिव के बारे में

उपन्यास- सेंट पीटर्सबर्ग हाई स्कूल का शाप. के बारे में कुछ शब्द ...

भाग

१ -

ताकतवर लेख

जीवन चलते रहने का नाम है |

जीवन अनमोल है | हम मनुष्य वह सामाजिक प्राणी है, जो समाज से जुड़ी सोच से जीवन जीना पसंद करते हैं | ततः इस सवाल का जवाब तलाशने की इच्छा हम खुद में भी रखते हैं जीवन का असली अर्थ क्या है?

क्या जीवन का अर्थ संसार से सम्पूर्ण खुशियाँ हासिल कर लेना है ... क्या जीवन का अर्थ एक दूसरे की मदद करना है ... क्या जीवन का अर्थ वर्तमान में सम्पूर्ण खुशी का एहसास कर लेना है, क्या जीवन का अर्थ अतीत यादगर बनाना हैं |...ज़ाहिर है, हर किसी के लिए जीवन का अर्थ अनेक है | जबकि मेरे लिए जीवन का अर्थ है क्या है,

"जीवन बढ़ते रहने का नाम है। रुकना या ठहरना बिना धैर्य और स्थिरता के जीवन नहीं ।

मनुष्य मन और खयाल का रूप है, और वह रूप ठहरने के लिए नहीं बना है | जबकि चलते रहने के लिए बना है | चलते रहने का तात्पर्य हमारे मनुष्य मन और सोच से है | क्यूकी मन हमारा जन्म से ही "तत्त्व" और "एक दुसरे मन" के प्रभाव में जीता है, इसलिए उस प्रभाव में जीना,उसे अपनाना, उसमे बढ़ना ही जीवन है |

जीवन का उद्देश्य |

"डर में जीवन जीना, एक आधा अधूरा जीवन जीवन के सामान है |"

जीवन में डर, दर्द और नकारात्मक ख्याल, ये वे तीन हैं जिससे संसार में कोई मनुष्य आज़ाद नहीं होता | हर मन को दर्द के एहसास से गुज़ारना गुज़रता, तो कोई भी मन ऐसा नहीं है, जो नकारात्मक ना सोचे | पर अगर यह सच है की हमारा मन इन तीन चीज़ों से गुजरने के लिए बना है, तो फिर ज़रूरत हमें किस चीज़ की है?ज़रूरत है **"सकारात्मक सोच"** की |

मन हमारा सकारात्मक सोचना चाहता है, क्यूकी वह सोच मन को भाति है | मन जीवन का सम्पूर्ण एहसास करना चाहता है, क्यूकी इस दुनिया में कदम रखने का मकसद यही है | मन हमारा हर दुःख पीड़ा, विपरीत ख्याल से बचे रहना चाहता है, क्यूकी मन को ये सभी चीज़ें नहीं भाति |

मगर यह सत्य भी एक है की, जिस समान मनुष्य इन तीन चीज़ों से गुजरने की शमता रखता है, डर, दर्द और नकारात्मक ख्याल, उसी सामान संसार का हर प्राणी भी इन तीनों से गुजरने की शमता रखता है |

जानवर भलेही बेजुबान है, वे भलेही हमें अपना दर्द बयान नहीं कर सकते, मगर ये सच है की उनका मन भी हमारे मन की तरह ही दर्द और डर का एहसास समेटते की शमता रखता है |

इस बारे में विस्तार से ज़रूर सोचे.. | क्या हम जिस प्राणी को चोट पहुंचा रहे हैं, जिसे खाने के लिए जिन्दा उबाल रहे हैं, जिसे दुकानों में ले जाकर काट कर रहे.. क्या हम सही कर रहे हैं ? क्या ऐसा करते वक़्त उन्हें दर्द नहीं होता ? सच यही है की होता है तभी वह डरते हैं, चिलाता हैं और उससे बचने की जग़्गो जह़त करता है... ठीक वैसे ही जैसे मनुष्य करता है ..|

आत्महत्या का खयाल !

जीवन में चलते रहने, बढ़ते रहने की परिभाषा वे हैं, जिसे मनुष्य को छोड़कर सभी जीव-प्राणी तो समझते हैं, मगर मनुष्य नहीं | अगर समझते हैं, तो हमारे चारों ओर आत्महत्याएँ क्यों होती हैं ?

सच तो यह है की, मनुष्य के लिए आत्महत्या का मतलब जो भी हो, मगर जानवरों के लिए इसका कोई मतलब नहीं होता ! .. बेजुबान जानवर भलेही वे हम हमारी तरह बोल नहीं सकते, वह अपना दुःख दर्द प्रकट नहीं कर सकते, वे हमसे दर्द के इलाज के उम्मीद नहीं कर सकते, मगर फिर भी वे बढ़ते रहने की ताकत से जीते हैं | एक बात जो बाकी जानवरों को मनुष्य रूपी सामाजिक जानवर से अलग करती है, वे यह की मनुष्य आत्महत्या का खयाल मन में उत्पन्न करता है, जबकि ओर कोई भी जानवर ऐसा नहीं करता |

“सिर्फ मनुष्य वह सामाजिक प्राणी है, जो मन की दशा में आत्महत्या से जुड़े खयाल उत्पन्न करता है |”

इसलिए मैंने कहा है की, इस जीवन का असली उद्देश्य हमारा चलते रहने की सोच से होना चाहिए, जीवन को अंत तक जीने की सोच से होना चाहिए | जिस सामान जानवर मृत्यु से जुड़ी सोच कभी मन में उत्पन्न नहीं करते, वे जीवन पूरा जीते हैं...उसी सामान हम मनुष्य को भी चाहिए की हम बाकी जानवरों से कुछ सीख लें | क्योंकि उनका मन भी हमारे मन की तरह दर्द और डर का एहसास करने के काबिल है, इसलिए उनसे जीने गुण सीखे |

उन्ही की तरह जीवन में चलते रहने की ताकत से जिए | उन्ही की तरह खुले मन से जिए | उन्ही की तरह संघर्ष से डरें नहीं | और सबसे

ज़रूरी बात उन्हीं की तरह मन में आत्महत्या का खयाल कभी उत्पन ना करें |

जीवन की सच्चाई- "मृत्यु"

"जीवन का मकसद सोच रुपी कदमों से डर भरे दरिया को पार करना, और कभी ना ठहरना |"

अक्सर हम मनुष्य इस बारे में विचार करते हैं की हमारा जीवन क्या है? ... जीवन हमे क्यों मिला है, जीवन मिलने का मकसद आखिर क्या है? क्या यह मकसद हमारे पिछले जन्म के कर्मों से वास्ता रखता है? .. क्या यह जीवन हमे संसार रुपी माया नगरी में सिर्फ वक्त गुजरने के लिए मिला है, क्या यह जीवन, मन का सम्पूर्ण एहसास करने के लिए हमे प्राप्त हुआ है ?

एक तरफ, अगर यह सत्य है की जीवन हमे सिर्फ सुकून, आज़ादी, मन का एहसास, मन की चाहत पूरी करने के लिए मिला है, तो फिर क्यों कोई जीव दर्द के एहसास से जुड़ा है? ...क्यों हमारे इर्द गिर्द लोग मर रहे हैं, दर्दनाक मौते हो रही है, जीव-प्राणी भोजन के लिए तड़प रहा है, जानलेवा बीमारियाँ चरों ओर फैली है?

"मौत" यह एक ऐसा शब्द है जो संसार में मौजूद हम सभी जीव-प्राणियों के लिए एक समान है | हर किसी को एक समान दर्द से गुज़ारना है | ओर तो ओर पृथ्वी पर मौजूद कोई ऐसा प्राणी नहीं है जो इस बात का दावा करे की उसे मौत नहीं आनी |

सच कहूँ तो, यह पृथ्वी एक खुले मैदान के समान है जिसमे एक चरवाहा अपनी भेड़ बकरिया चारा रहा है | संसार में हम सभी जीव प्राणी भेड़ बकरियों के सामान है, और वे चरवाहा जिसे हम परमात्मा कहते हैं,वे हर

पल हमपर नज़र रखे हैं | ना ही हम उस चरवाहे के दायरे से बाहर जाकर जीवन का एहसास कर सकते हैं, ना ही अजर और अमर रहने सदा के लिए इस मैदान रुपी पृथ्वी पर जीवित रह सकते हैं | हमे यह मैदान छोड़ना होगा, जब वे चरवाहा हमे वापिस बुलाएगा | जब कभी भी वे हमे वापिस बुलाएगा, तब हमे सब कुछ त्यागकर, रिश्तेदारी, दोस्ती यारी, कपड़े, पढाई, पैसा हर चीज़ को पीछे छोड़कर इस पृथ्वी से विदा लेनी होगी |

एक तरफ जहां यह हकीकत है की हम मनुष्य को, और बाकी सभी प्राणियों को एक ना एक दिन संसार से विदा लेनी है, वही एक हकीकत यह भी है की हम मन से इस सच्चाई को अपनाने के लिए कतई तैयार नहीं हैं। मन हमारा चाहे अपने चरों ओर कितनी मौतें क्यों ना देख लें, हमारे मन पर पढ़ रहा प्रभाव कुछ ऐसा है जो मौत की सच्चाई और उससे जुड़ी सोच को हमसे दूर ही रखता है | एक नहीं बल्कि पृथ्वी पर मौजूद अनेक मन का प्रभाव जो मौत से जुड़े खयाल हमारे मन में उत्पन्न नहीं होने देता |

क्या है ताकतवर प्रभाव?

जन्म से ही हमारे मन पर पढ़ने वाले ये दो प्रभाव, (तत्व और दुसरे मन का प्रभाव) कुछ ऐसा है जो मौत की सच्चाई और उससे जुड़ी सोच से ताकतवर माना जाता है | जन्म से ही हम मनुष्य मौत को बाहरी तौर पर देखने के आदी होते हैं, इसलिए यह प्रभाव जो जन्म से हमारे मन पर पढता है, वे मौत, और दर्द के प्रभाव से कई गुना शक्तिशाली होता है | इसलिए मन मौत के बारे में कम ही विचार करता है |

बाहरी प्रभाव जन्म से ही हमे मौत की सच्चाई और उससे जुड़े सोच से अलग रखता है, ततः जब कभी हम इस बारे में विचार करने का प्रयास करते हैं, तब वह शक्तिशाली प्रभाव हमारे मन में उत्पन्न होने वाली मौत से जुड़े खयालों को दबा देता है | वे सभी खयाल जो हमे मृत्यु आने का संकेत

देते हैं, क्यूकी वे विपरीत प्रभाव से कमज़ोर होते हैं, इसलिए मन में मौत से जुड़े ख्याल और सोच कम उत्पन्न होते हैं।

क्या है जीवन की सच्चाई |

मन वक्त के साथ कदम बढ़ाता है, अतीत से वर्तमान वर्तमान से भविष्य का सफ़र तै करता है |

यह सत्य है, की मन अगर वक्त के साथ बढ़ते रहने के लिए बना है, तो ख्यालों ख्यालों में अतीत से वर्तमान तो वर्तमान से भविष्य का सफ़र तै करने के लिए बना है | ना ही हम अपने मन को एक जगह ठहरने के लिए कह सकते हैं, ना ही हम भविष्य से अलग मन को कही छिपे रख सकते हैं। क्यूकी वैसे भी हमारा मन चलते रहने के लिए बना है | इसलिए कोई व्यक्ति ऐसा नहीं जो यह कहे की उसे मौत नहीं आनी | ना ही कोई व्यक्ति ऐसा है, जो मौत को मात देकर अजर और अमर रहने की ताकत रखता है |

मौत पर विश्वास करना भी एक अजीब बात है | मौत की सच्चाई, हम जानते ज़रूर हैं, मगर फिर भी हमारा मन है की इस बात पर विश्वास नहीं करता | कुछ लोग मौत की सच्चाई को अपनाते ज़रूर हैं, मगर ऐसे लोग भी कई मात्र में इस दुनिया में भरे पड़े जो इस बारे में ख्याल तक करना पसंद नहीं करते | क्यूकी कही न कहीं उन्हें ऐसा प्रतीत होता है की अगर मौत की ओर मुह मोड़ लिया, तो मन डर और घबराहट से घिरा रहेगा | जीवन जीना एक संघर्ष बनकर रह जायेगा | जबकि यह सोच सिर्फ मंग्रंथ है | बात तैयारी की है |

तैयारी ज़रूरी है |

कल्पना किजिएँ, आपके घर में एक चोर अचानक से गुस आता है, और आप शुरू से ही इस बात से अनजान रहते हैं | वह चोर आपको डराता है, आपका घर तहस नहस कर देता है, आपको दुःख दर्द पीड़ा देता है, और एक ऐसे वक्त ना ही आपने उस चोर से लड़ने की तैयारी पहले से करते हैं, और ना ही आप इस बात पर विश्वास करने के लिए राज़ी होते हैं की कोई चोर आपके घर में घुसा बैठा है |

जबकि दूसरी ओर, वे वक्त जब आपको यह पहले से मालुम होता है की एक ना एक दिन, एक चोर को आपके घर में आना है, उसे आपका घर का समान तहस नहस करना है, उसे आपको दुःख पीड़ा पहुंचानी है, तब आप ना सिर्फ चोर के आने की सच्चाई पर विश्वास करते हैं, बल्कि उसके आने से पहले ही उससे लड़ने की तैयारी पहले से करके रखते हैं |

मौत का हिसाब-किताब भी कुछ ऐसा ही है | हमारे जीवन में मौत भी उस चोर की तरह दबे पाँव आती है, जिसके करीब आने पर ही हमें उसका पता चलता है | वो हमारा घर तहस नहस करती है, हमें डराती है, हमें दुःख पीड़ा देती है | पर यह बात सिर्फ हमपर निर्भर करती है की क्या हम उससे लड़ने की तैयार पहले से करते हैं ?

साधना के ज़रिये, आस्था के ज़रिये, परमात्मा के ध्यान के ज़रिये, उस दिन की तैयारी पहले से करते हैं या ओरों के देखा देखी, बाहरी प्रभाव जीकर,मनमुख लोगो से प्रभावित होकर उस दिन के लिए खुद को अकेला छोड़ देते हैं |

खुले मन से जिए जीवन

“आज़ादी” यह एक ऐसा शब्द है जिसकी चाह हर जीव प्राणी को सताती है। शरीर में जन्मा हर मन इस शब्द की लालसा रखता ही और रखे भी क्यों ना इस शब्द का मतलब सुकून जो है । पिंजरे में कैद परिंदे खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं, जेल में बंद कैदी वापिस अपने घरों को जाना चाहते हैं पानी से निकली मछलियाँ वापिस समंदर में जाना चाहती हैं, पकड़ी गयी मुर्गियाँ कसाई के वार से बचना चाहती हैं ।

इस संसार में हर जीव आज़ादी चाहता है मगर फिर ये सवाल खड़ा हो उठता है की कहा है सच्ची आज़ादी? क्या है सच्ची आज़ादी,... क्या ज़रूरत है हमे आज़ादी की ? खैर, ये कुछ ऐसे सवाल हैं जिनकी खोज में संसार का हर मनुष्य मन लगा है। मगर उत्तर किसी को नहीं मालूम ?

किसी का कहना है की आज़ाद आसमान में मगर फिर जब आप आसमान में उड़ते ज़ख्मी परिंदों को देखते हैं, तो मालूम पड़ता ही आज़ादी वहा नहीं है। कोई सोचता है की आज़ादी समंदर किनारे ही । मगर फिर आप समंदर किनारे पानी से बाहर तड़पती मछलियों को देखते हैं, तब मालूम पड़ता है सच्ची आज़ादी वहाँ भी नहीं है। कोई कहता है आज़ादी हरे भरे पहाड़ों में है, मगर फिर जब आप प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगो को देखते हैं, तब मालूम पड़ता है सच्ची आज़ादी वहाँ भी नहीं है।।

आखिर में हमारे मन में ये सवाल बार बार उठता है की सच्ची आज़ादी आखिर कहाँ है?

“आज़ादी वे है जो मायने नहीं रखती, मायने रखता है तो सिर्फ वे लम्हा जिसमे हम आज़ादी से जुड़ा ख्याल मन में ज़रा भी उत्पन्न नहीं करते ।”

आज़ादी वहाँ हैं जहाँ आज़ादी से सम्बंधित कोई खयाल आपके मन में उत्पन्न नहीं होता है | आज़ादी वहाँ है जहाँ जीव-प्राणी खुले से मन से जीवन को जीने की सोच रखते हैं | आज़ादी खुले मन से जीवन जीने में है, क्यूकी जितना ज्यादा आप डर दुःख दर्द, चिंतन, नकारात्मक खयाल इनसब में घुट घुट के जीने से अलग खुले मन से जीवन का एहसास करते हैं, आज़ाद होने का मतलब, सच्ची आज़ादी क्या होती है इस बात का एहसास भी आपको अवश्य होता है | ...बस इस बात को ध्यान में रखकर कभी भी आज़ादी की तलाश में ना निकले, क्यूकी सच्ची आज़ादी वही है जहाँ आप खड़े हैं |

स्वार्थ और अहंकार कभी ना पालें

संसार में कोई ऐसा जानवर नहीं है, जिसे खुद पर अहंकार हो, सिवाए मनुष्य के | मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, और वे दो खास चीज़ें जो मनुष्य को बाकी जानवरों से अलग करती है, वे हैं, "स्वार्थ" और "अहंकार" | स्वार्थ और अहंकार, ये दोनों ही बीज मनुष्य मन में इस कदर घुल चुके हैं, की समाज में हर व्यक्ति एक दुसरे को स्वार्थ अहंकार की नज़रों से ताकता फिरता है | इन्हीं से नापा जाता है |

ये दो बीज हैं जो जिसके भीतर पलने लगते हैं, ये भीतर ज़हर घोलने का कार्य अवश्य करते हैं | मनुष्य में अहंकार तब जन्म लेता है, जब वह दूसरों को प्रभावित करने में सफल रहता है | जबकि स्वार्थ का बीज दूसरों के देखा देखी खुद ब खुद मन में उत्पन्न होने लगता है | एक बार जो इन दो बीजों का ज़हर मन में घुलने लगता है, तब मनुष्य का मन अपना रंग बदलने में देर नहीं करता |

कैसे उत्पन्न होता है, स्वार्थ और अहंकार ?

"मैं इतनी दौलत अपने पास रखना चाहता हूँ, जिनकी मुझे ज़रूरत है | अपने बच्चों के लिए जायदाद छोड़कर जाने का मतलब है उनका जीवन तबाह करना |" - बिल गेट्स.

"स्वार्थ" और "अहंकार" ये वे दो शब्द हैं जो मनुष्य मन को दुनिया में भटकाए रकने का कार्य करते हैं | वे सभी व्यक्ति जो खुद में स्वार्थ और अहंकार लेकर चाहते हैं, उनके चेहरों पर वे साफ़ झलकता है | नेताओं को

अपनी गद्दी का अहंकार है, कलाकारों को अपनी कला का अहंकार है, सुन्दर व्यक्ति को सुन्दरता का अहंकार है, पैसे वाले लोगो को अपने पैसे का अहंकार है ।

मनुष्य वह सामाजिक जानवर है, जो पैसा की आस में जीवन व्यतीत करता है, जबकि पैसा वह बीज है जो मनुष्य में "स्वार्थ" और "अहंकार" को जन्म देता है । अगर संसार में आप हर जगह देखते, तो ऐसा कोई जगह नहीं है, जहां मनुष्य का मन चाहत नहीं रखता, चाहत नहीं रखता तो पैसा नहीं रखता, और पैसा नहीं रखता तो अहंकार नहीं रखता ।

सट्टे-बाजी की रेस में शामिल घोड़ा रेस जीत भी जाए, तो भी उसमे अहंकार नहीं पनपेगा, जबकि उसपर बैठा मनुष्य जिसने उस घोड़े से पैसे कमाए होंगे ,उसका अहंकार सातवे आसमान को छू जायेगा । एक अमीर घर में बंधा ब्रांडेड खाना खाने वाला कुत्ता, सड़क पर कूड़ा कचरा चबाने वाले मरियल कुत्ते से खुद को ऊँचा या नीचा नहीं महसूस करता है । जबकि मनुष्य का मामले में इसका विपरीत है । मनुष्य चंद पैसा कमा ले, तो अहंकार आ जाता है, कुछ अलग करके दिखाता है, तो अहंकार आ जाता है, ओरो को प्रभावित करे ,तो अहंकार आ जाता है ।

यह हमारे मन का अहंकार ही होता है जो एक दुसरे मन में हीनभावना पैदा करता है, और उन्हें जुर्म करने पर मजबूर करता है । अहंकार के चक्कर में लोग बलात्कार करते है, चोरिया करते है.. यहाँ तक की क़त्ल भी करते है, क्युकी अहंकार लोगो के अन्दर क्रोध को जन्म दे देता है ।

स्वार्थ और अहंकार के परिणाम ।

हमेशा बोला जाता है...(काम क्रोध लोभ मोह और अहंकार) ये मनुष्य मन से जुड़ी, वे पांच चीज़ें है जो मनुष्य मन का सर्वानाश करती है । अहंकार इन्ही में से एक है ।

एक बार मनुष्य इनमे कदम रख दें, तो पाँचों की पाचों चीज़ें अंत तक पीछा नहीं छोड़ते | अहंकार वे है जो आपको आत्मा की सुख स्थिति से अलग शरीर का राजा बना देता है, और एक ऐसी परिस्थिति में हमारा का मन इनका त्याग सिर्फ तब करता है, जब शरीर चिता की आग में जलता है।

भाग २-

महान

सुविचार

प्रेरणादायक सुविचार, बेहतर सुविचार, चर्चित सुविचार |

“बाहरी दुनिया से अलग एक ऐसी दुनिया भी जहां लोग जीते हैं | वे एक दुसरे की मदद करते हैं, महान सोचते हैं और दूसरों को भी महान सोचने का मौका प्रदान करते हैं |”

जीवन चाहे फिर कितना चौनोतिपूर्ण क्यों ना हो, अगर आपके मन में एक विचार है, जो ताकतवर है, और सकारात्मक है, तो कोई नकारात्मक सोच आपको हरा नहीं सकेगी | जीवन में जब भी आपको प्रेरणा की ज़रूरत पड़ती है तब आप ऐसों का साहारा लेते हैं जो आपकी मदद कर सके, परेशानियों से बाहर निकल सके, जीवन में बढ़ते रहने की ताकत प्रदान कर सकते, साफ़, स्थिर, स्पष्ट और बेहतर सोच प्रदान कर सके |

यह प्रेरणादायक सुविचार, उन महान लोगों के महान विचार हैं, जिन्होंने अपने जीवन में कभी हार नहीं मानी, और जीवन के मुश्किल से मुश्किल दौर को पार कर, यह साबित कर दिखाया की वे व्यक्ति ताकतवर सोच रखते हैं |

जीवन में क्यों मायने रखते हैं, प्रेरणादायक सुविचार |

कुछ भी पढ़ने से पहले यह भी समझना ज़रूरी है की, महान लोगो के सुविचार आपके जीवन के लिए क्या मायने रखता हैं?

महान व्यक्ति वे हैं, जो ताकतवर सोच से जीवन जीते हैं | वे कमज़ोर सोच को मन में पनाह नहीं देते |...वे आग से गुज़रते हैं | महान लोगो के महान सुविचार जीवन उनके अनुभव, और निर्णायकता का मेल होते हैं, जो आपको जीवन के प्रति साफ स्पष्ट और सकारात्मक सोच प्रदान करते हैं।

कुछ प्रेरणा-दायक सुविचार, बेहतर सुविचार, चर्चित सुविचार मैंने चुनकर इस अध्याय में लिखे, जिन्हें अगर आप सच्चे मन से पढ़ेंगे, और दिमाग में संचित रखेंगे, तो ये आपको जीवन में काफी ताकत प्रदान करते |

महान सोच रखे वालों के महान प्रेरणादायक सुविचार |

“खवाब देखें, देखें, देखे, देखे, खयालों में बदलें, और खयाल क्रिया में बदल जायेंगे |”-

अब्दुल कलाम आज़ाद |

“सफल होने के लिए अपने सफलता की चाहत ज्यादा होनी चाहिए आपके असफलता के डर से |”-

बिल कोस्बी

“वे नौका जो विपरीत दिशा में बढेगी,वे कभी उगता सूर्य नहीं देख पाएंगी|” -

बिल कोस्बी

“यहाँ तक की काली से काली रात भी ख़त्म होती, और सूरज उगेगा|”-

लीओ

“ना तो इस दुनिया में और ना ही किसी ओर में, उनके लिए खुशियाँ संचित रहती हैं जो हमेशा संदेह करते हैं।”

- श्रीमद् भगवद् गीता |

“वे आदमी जो अपने वक्त एक एक घंटा युही खराब करने की हिम्मत कर सकता है, उसने जीवन का मूल नहीं खोजा।”

- चार्ल्स डार्विन

“मेरा ज़ायका सरल है, मैं बेहतर के साथ संतुष्ट रहता हूँ।”

- विंस्टन चर्चिल

“भविष्य को बतलाने का सबसे बेहतर तरीका है, उसे बना डालना।”-

अब्राहम लिंकन |

“चैंपियन बनने के लिए आपको खुद में विश्वास करना होगा, तब जब ओर कोई नहीं करेगा।”

- सुगर रे रोबिनसन |

“आप उस व्यक्ति को कभी हरा नहीं सकते, जो कभी हार नहीं मानता।” -
बेब रूथ

“मैंने एक के बाद एक हार का सामना किया है, इसलिए मैं जीत पाया।”

- माइकल जोर्डन

“इंसान का परीक्षा वहाँ नहीं होती, जहाँ वे आराम और विवादों के लम्हों से खड़े होता है, बल्कि होती उस वक्त है जहाँ वे चौनोटियों और विवादों में खड़े रहता है।”

- मार्टिन लूथर किंग

“जीवन वास्तव में सरल है, पर हम उसे उलझाने में लगे रहते हैं।”

- कन्फ्यूशियस

“अगर आप जीतते तो आपको समझाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी,पर अगर आप हार गए तो आप होंगे नहीं समझाने के लिए।”

- अडोल्फ हिटलर

“नर्क के रस्ते तीन हैं, लोभ,क्रोध,लालच।”

- श्रीमद् भगवद् गीता |

“खुद के अन्दर के शैतान को चोट दें, बजाएं किसी ओर के अन्दर के शैतान को चोट देने के।”

- कन्फ्यूशियस

“वे जो मन में डर रखते हैं, वे अपनी कुर्सी पर आराम से विराजमान रहते हैं।”

- कन्फ्यूशियस

“वे लोग जो लगन से अपना काम करते हैं,वे सबसे ज्यादा खुश हैं।”

- अननोन

“एक बुद्धिमान नर्क बेहतर होगा,एक बेवकूफी स्वर्ग से।”

- विक्टर ह्यूगो

“सुने सब की,बात करे कम से।”

- विलियम शेक्सपीयर

“सभी लड़ाकों में सबसे ताकतवर लड़ाके ये हैं, वक्त और धैर्य।”

- लियो टॉलस्टॉय

“क्रोधित होने के लिए आपको सज़ा नहीं दी जायेंगे, क्रोध आपको सज़ा देगा।”

- गौतम बुद्ध

“खड़े रहकर मरना बेहतर है, बजाए घुटनों पर जीने के।”

- अननोन

“मेरी चाहत खत्म करे दें, मेरे ख्याल घुमाह करे दें, मुझे कुछ बेहतर दिखाए, और मैं आपके पीछे चल दूंगा।”

- फ्योडोर दोस्टोएविस्की

“मैंने जीवन में एक दिन भी कभी काम नहीं किया, सब मज़ा था।” -
थॉमस अल्वा एडिसन

“अपने गलतियों के लिए शर्मिंदा ना होए, और ना ही उन्हें जुर्म में बदलें।” -
कन्फ़्यूशियस

“वे जो दूसरों का भला करने की सोच रखते हैं, वे खुद का पहले ही कर चुके होते हैं।” - कन्फ़्यूशियस

“वे वक्त जब डर आपके करीब आये, उसपर वार करें और खत्म करे दे।” -
चाणक्या

“नामुमकिन चीज़ें करने में कुछ अलग ही मज़ा आता है।”

- वाल्ट डिज्नी

“कुछ नामुमकिन नहीं।”

- वाल्ट डिज्नी

भाग ३ -

मेरे
सुविचार

कुछ शब्द इस अध्याय के बारे :

हलाकि मैं आपको महान लोगो की श्रेणी में नहीं रखूँगा, परन्तु एक आम नागरिक की तरह अपने विचारों को खुले तौर पर आपके सामने पेश ज़रूर करूँगा..|

अपने विचार लिखने का सुझाव उन दिनों आया जब मैंने ये पाया की मेरे दिमाग में भी कई ऐसे विचार हैं जो काफी अनमोल हैं | इसलिए मैंने इन विचारों बेकार नहीं जाने दिया, बल्कि इन्हें एक किताब में सचित करने का मन बनाया |

इन विचारो के सहारे ही मैंने अपने जीवन के कई महत्वपूर्ण पडाव पार किये हैं | इसलिए मैं यह चाहूँगा की आप इन विचारों से मदद ले और अपने जीवन में अपनाए ताकि आपका जीवन भी विश्वास से भरा रहे |



जीवन पर सुविचार

“चलते रहना ही जीवन है, रुकना या ठहरना बिना धैर्य और स्थिरता के जीवन नहीं |”



साहस पर सुविचार |

“सही के लिए साहस करे, गलत के कभी ना करे |”

“साहस के बिना आप एक डर रहित जीवन ज़रूर जी सकते है,मगर जीवन मिलना का मकसद यह कतई नहीं है |”

“कभी इतना भी साहस ना करे, की हर वक्त नकारात्मक सोचे, और मन हमेशा उदास रखे |”

“साहस के वक्त किया गया साहस, एक सच्चा साहस कहलाता है |”

“मौत का सामना करने का साहस वे है, जो हमारी जीवन के सबसे बड़े साहस में शुमार है |”

“साहस पहली बारी में हमेशा असुखद होगा, उसके बाद का वक्त हमेशा सुखद होगा |”

“वे शख्स जिसके पास बनावटी साहस है, वह उसे शख्स कई ऊपर है जिसके पास ज़रा भी सहस नहीं |”

“डर से लड़ते वक्त किया गया साहस एक सच्चा साहस कहलाता है|

“साहस अगर एक बार भी किया जाए, तो वह सदा के लिए गिना जाता है।”

“साहस करने की ताकत वह है जो एक मुर्दे को जिन्दा में बदल सकती है, एक कमज़ोर को ताकतवर में।”

“सभी तरह के साहस में सबसे ऊपर साहस वे है, जिसे चाहिए के वजह केन्द्रित रहने के लिए, एक मुकाम हासिल करने के लिए, दर्द शुरूआत करने के लिए।”



तजुर्बे पर सुविचार

“वे तजुर्बा किसी काम का नहीं है, जो काम में नहीं है।”

“तजुर्बा वे है जो मायने रखता है, वे जो मायने नहीं रखता वे है सीमित तजुर्बा।”

“एक बच्चे का तजुर्बा एक बड़े के तजुर्बे से ज्यादा ताकतवर ज़रूर हो सकता है। जीवन के तजुर्बे में उम्र मायने नहीं रखती जो मायने रखता है वे है तजुर्बा।”

“जन्म और मौत का तजुर्बा वे है, जिसे गुज़रते वक्त कभी बयान नहीं किया जा सकता।”



लड़ाई पर सुविचार।

“मासूमियत से ना लड़ें, मासूमो के लिए लड़े।”

“अपने अन्दर के शैतान को चोट दें, इससे पहले आपके अन्दर का शैतान किसी दुसरे के अन्दर के शैतान को चोट दे।”

“लड़ियाँ हमारी रोज़ होती हैं, कभी कम, तो कभी ज्यादा, कभी बाहरी तो कभी आन्तरिक।”

“सबसे ताकतवर लड़ाईयाँ आन्तरिक लड़ाई होती हैं, अगर आप खुद न जीत पाएंगे तो दूसरों से कैसे जीतेंगे।”

“वे जो खुद से आखिर तक लड़ते हैं, उनकी जीत होती है।”



हार पर सुविचार|

“आप खुद को तब तक नहीं हरा सकते, जब तक खुद से सवाल नहीं करते।”

“किसी से हारना वे हैं जो उतना मायने नहीं रखता, मायने रखता है तो वह है सिर्फ खुद से हारना।”

“सकारात्मकता अपनाएँ और उन्हें हराएँ, जो आपकी सकारात्मक सोच को हारने की ताकत रखते हैं।”

“वे जो खुद को और दूसरों को माफ़ करना जानते हैं, वे कभी हारे हुए नहीं कहलाते।”

“किसी से हारना आपके जीवन का मोड़ है। मगर यह भी तो ज़रूरी है की जीवन का हर मोड़ आपको एक दिशा में ले जाए।”

“इससे पहले आपके भीतर का शैतान किसी दुसरे के भीतर शैतान को पराजित करें, खुद के अन्दर के शैतान को पराजित करने के बारे करने विचार करें।”

“भगवान् की नज़रों में हर हार जायज़ है।”



सर्वोत्तम पर सुविचार ।

“आप सर्वोत्तम बन सके हैं, अगर आप सर्वोत्तम को पीछे छोड़े, घटिया पर ध्यान लगाकर उसे सर्वोत्तम में बदले ।”

“सर्वोत्तम देना कठिन नहीं होता है । कठिन होता है तो मन में इस खयाल को स्थिर कर लेना की आपको सर्वोत्तम देना है ।”

“हर पल सर्वोत्तम दर्शाना, हर पल बुरा दर्शन कभी संभव नहीं होता । वक्त और खयाल ये वे दो हैं जो कभी स्थिर नहीं रहते ।

“सर्वोत्तम वे हैं जो कभी घटिया से नहीं आता, और घटिया वे जो हमेशा सर्वोत्तम से उत्पन्न होता है ।”

“आप जो भो करे, उसमे अपना सर्वोत्तम दें, जीवन का कोई एक बुरा लम्हा आपके पूरे खराब अतीत को इकठा करने की ताकत नहीं रखता ।”

“सबसे बेहतर पल वे हैं, जिसमे हमे ये एहसास हो जाए की हमारे डर की वजह जीवित नहीं ।”

“अगर सर्वोत्तम बनने की सीमा आपके लिए बहुत दूर है, तो सीमा के करीब जाकर देखने का प्रयास करें।”

“एक पल के लिए एक ऐसे इंसान की कल्पना किजिएँ जो सर्वोत्तम है, फिर ऐसे इंसान की जो मृत है।”



सकारात्मकता पर सुविचार |

“नकारात्मकता नकारात्मकता को खींचती है और स्थिर हो जाती है, सकारात्मकता सकारात्मकता को खींचती है और स्थिर हो जाती है।”

“आप सकारात्मक हैं अगर आपके कदम सकारात्मकता में हैं।”

“अगर खुद को तब तक सकारात्मक नहीं देख सकते, जब तक की आप दूसरों को सकारात्मक नहीं देख सकते।”

“अगर आपके भीतर एक आवाज़ है जो ताकतवर है सकारात्मक है, तो जीवन की किसी भी परिस्थिति में कोई भी नकारात्मक खयाल आपको पराजित नहीं कर सकेगा।”

“सकारात्मकता वह है जो रस्ते बनती है, जो मदद करती है वे सकारात्मक खयाल उत्पन्न करने के लिए, जिसके साथ हम अपना बाकी का जीवन गुज़ारना है।”

“सकारात्मक व्यक्ति वे हैं जो ना सिर्फ दूसरों को सकारात्मक देखा है, बल्कि उन्हें भी सकारात्मकता प्रदान करता है, ताकि वे खुद को दूसरों में सकारात्मक देख सके।”

“एक सकारात्मक खयाल एक बारी में कभी स्थिर नहीं रहता। उसे स्थिर करने के लिए आपको वे खयाल दोहराकर स्थिर करना देना चाहिए।”

“एक सकारात्मक दिशा वे है जो एक से ज्यादा नकारात्मक दिशाओं से कई बेहतर है, और सकारात्मक है |”



सफलता पर सुविचार |

“सफलता के साथ अपना नाम जोड़ें ज़रूर, मगर उसे भूलें कभी ना |”

“सफलता आपको एक या अनेक प्रयास करने से नहीं मिलती, मिलती है तो बार बार प्रयास करने से |”

“सफल लोगों की पहचान यह है की वे गिद्ध की तरह अवसरों पर नज़रिए बनाए रखते हैं |”

“सफल होना आपके अन्दर के इंसान की चाहत है | आपकी चाहत अगर बाहरी ज्यादा है तो संभावनाएं ये रहेंगी की आप किसी चाहत में डूब जायेंगे और ऐसे में खुद की चाहत भुला देंगे |”

“आन्तरिक तौर हम मन और खयाल का रूप है | जीवन में सफल होने के लिए पहले आपको अपने खयालों में होना होगा |”

“सफलता आपको मिलती है तो इन से, मेहनत, तैयारी, खयाल, दिमाग, दर्शन-शास्त्र | अब अगर दर्शन-शास्त्र सबकुछ खयालों के बारे में है, तो दिमाग सब कुछ हैं मेहनत और तैयारी के लिए |”

“सफल होने के लिए, आपको पहले खुद को सफल देखना होगा, फिर विश्वास करना होगा, फिर उस विश्वास को कसकर पकड़ना होगा |”



बदला लेने के खयाल पर सुविचार।

“एक मन में बदला लेने का खयाल, एक दुसरे मन में बदला लेने का खयाल उत्पन करता है।”

“किसी मन से बदलना लेना, खुद के मन से बदलना लेने के सामान है।”

“इर्षा अगर एक अच्छे और सकारात्मक कारण-वर्ष है, तो मुकाबला करें। अगर किसी गलत कारण वर्ष है, या बदला लेने की भावना के साथ है, तो उसे तुरंत त्याग दें।”

“इर्षा और बदलना लेने के खयाल नकारात्मकता से उत्पन होते हैं। हम किसी से बदला लेने में कितने उत्साहित हैं, ये हमारी नकारात्मक होने की पहुच को दर्शाता है।”

“अपने दुश्मनों से कभी कभी इर्षा/बदला लेने की भावना ना रखे। एक ना एक दिन उन्हें भी ये दुनिया छोड़ देनी है।”

“किसी से बदला लेने की उतेजना मन को फ़रिश्ता नहीं बनाती। शैतान बनाती है।”

“माफ़ करने का खयाल सिर्फ़ फरिश्तों के मन में उत्पन होता है। वरना वे शैतान हैं जो इस बारे में सोचने तक से कतराते हैं।”



निर्णायकता पर सुविचार |

“शुरुआत से लेकर एक समय वो होता है जब आप दूसरों की निर्णायकता पर जीते हैं | वक्त बदल जाता है, और फिर एक वक्त ऐसा आता है, जब दुसरे आपकी निर्णायकता पर जीते हैं |”

“सकारात्मक निर्णायकता अनुभव से आती है, अनुभव अच्छे और बुरे दोनों से |”

“अगर आप किसी के लिए निर्णायक बनते हैं, तो इस बात को भी अपनाए की वे आपके निर्णायक बनेंगे |”

“निर्णायकता जीवन की रीड की हड्डी के समान है, जीवन बिना निर्णायकता के ऐसी है जैसे इंसान बिना रीड की हड्डी के |”

“हमेशा खुद के निर्णायक बने, खुद की निर्णायकता से |”

“किसी के लिए मन में छवि बनाने में तीन से कम से पांच सेकंड का वक्त लगता है, इस बात से अब आप ये हिस्साब लगाए की अपने अपने जिन्दगी का कितना वक्त इस काम में बर्बाद किया है |”



चुनौतियों पर सुविचार

“जहां दुःख भरी चुनौतियां होती हैं, वहाँ दुःख भरे हतियार होते हैं।”

“चुनौतियों के लिए हर पल तैयार रहें | आप वे चुनौतियां कभी नहीं जीत पायेंगे, जिनके लिए आप तैयार नहीं होंगे |”

“अगर जीवन एक चुनौती है, तो आपको गर्व होना चाहिए की, आप एक सबसे बड़े चैलेंजर देने वाले व्यक्ति से मुकाबले में हैं।”



खुशियों पर सुविचार |

“खुशी वे जो भीतर से बाहर आये, वे उस खुशी से सदा सर्वश्रेष्ठ है जो बाहर से भीतर जाए |”

“खुशी उनके लिए जादू है जो विश्वास करते हैं, उनके लिए एक दम विपरीत है जो ऐसा करने से डरते हैं |”

“खुशी वे है जिसके लिए आपका मन बना है, अगर आपने उस दुनिया में कदम रखा है जहां हर शख्स खुशी की दौड़ में शामिल है |”

“लोग खुशी से अक्सर इतने डरते हैं क्यों है? बात ये है की वे खुशी से नहीं डरते, वे खुशी खोने के डर से डरते हैं |”

“किसी एक को खुश करने का मतलब है, अपने एक विश्वास कमाया है |”

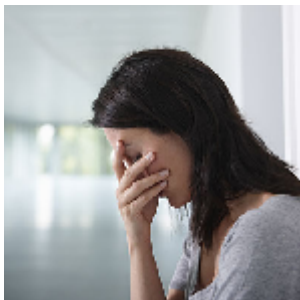
“खुशी को किसी वजह की ज़रूरत नहीं, बल्कि यह एक ऐसे हतियार के समान है जो आपके नाखुश रहने की वजह को खत्म करती है |”

“खुशी वे है जो सकारात्मक तौर पर आपको आगे बढ़ाती है और अपने सकारात्मक बदलाव उत्पन्न करती है | वरना वे सिर्फ मायूसी है जो आपको एक ही जगह जकड़े रखती है |”

“खुश रहने के लिए आपको कुछ चुकाना नहीं पड़ता, खुश ना रहने के लिए बहुत कुछ चुकाना पड़ता है।”

“सच्ची खुशी वे है जो कब्र में भी आपको ये एहसास करा दे, की आप मरे नहीं है ।”

“अगर अपने भविष्य का घर बनाए, तो उसमे खुशी की ईंटे ज़रूर लगाए ।



उदासी पर सुविचार

“एक दुखी मन सारे फसाद की जड़ है |”

“उदासी वे है जो आती है खुशियों की कमी होने से, खुश रहना ही एक मात्र इलाज है, उदासी के लिए |”

“खुश रहें, बिना किसी वजह के | ऐसे करने से मन ताकतवर रहता है|”

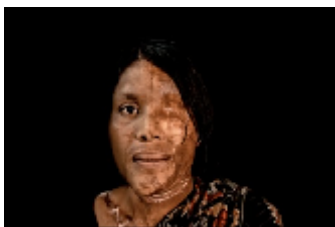
“अगर आपका अतीत और मायूसी आपस में जुड़े है | इसका मतलब है आपकी उदासी गुजर चुकी है |”

“अपने जीवन के सबसे बेहतरीन गुजरे पलों के बारे में सोचें, उस पल से मिली खुशी के बारे में सोचें | अगर आप उस पल से खुशी लेने के काबिल थे, तो आप जीवन के किसी भी पल में खुश रहने के काबिल हैं |”

“उदासी वे है जो मन में उत्पन्न होती है | अगर मन ही उदास रहेगा, तो क्या आप वे खुशियाँ दूर तक ले जाने में सफल रहेंगे?

“हम अक्सर उदास रहते हैं छोटी छोटी वजहों के लिए | क्यों ना हम वे सभी छोटी छोटी वजह इकठ्ठी करें और सारी उदासी जला दें |”

“आत्मा खुश सिर्फ तब होती है, जब वह आज़ाद रहती है | अब क्यूकी दुनिया में सभी जीव-आत्माएं शरीर में कैद हैं, इसलिए वे सभी के सभी दूर है सच्ची खुशी से |”



एसिड अटैक से पीड़ित लोग के लिए सुविचार ।

“वे लोग जो एसिड अटैक के शिकार हैं, और वे जो अपने अंतरात्मा तक का सफ़र तै करते हैं, एक समान दर्द से गुज़रते हैं ।”

“वे लोग जो बाहर से जिनते ख़राब दिखते हैं, वे अन्दर से वह उतना ही ख़ुबसूरत होते हैं।”

“अपना एक दिन उन लोगो की तरफ़ जीकर देखिए जिनपर एसिड अटैक हुआ है, और आपको ये भी जल्द ही मालुम पढ़ जायेंगा की आपकी शकल कैसा आपका बेवकूफ़ बनाए हुए है ।

“कल्पना कीजिए हज़ार आंखे आपको बुरा देख रही हैं, और कल्पना कीजिए एक भगवान् आँख आपको ख़ुबसूरत देख रही है, कौन सी आंख को आप ज्यादा महत्व देंगे?”

“अगर आपको कोई बुरी नज़र से देखे, तो समझ जाँँ की वह अपनी असली किरदार में है।”

“आप अगर एसिड अटैक के शिकार हुए हैं, तो समाज में अपने आपको दर्शाने के लिए शमिन्दा ना महसूस करे, क्युकी भगवान् ने लाखो करोडो में से सिर्फ आपको चुना है |”



सक्रियता पर सुविचार /

“सक्रियता वे है जो आपको पूरी तरफ से ये एहसास करा दे की आप खुद में जिन्दा है |”

“आपका आत्मविश्वास समाज में आपको सक्रिय बनाता है, चौकसी वे है जो उसे कायम रखती है |”

“वे दो वजह है जिनसे बच्चे सबसे ज्यादा सक्रिय रहते हैं, एक तो वे चिंतन नहीं करते, दूसरी वे जल्दी सोने का मन कभी नहीं बनाते |”

“एक ताज़ी सुबह अगर आपको बहुत सक्रिय बना सकती है, तो हर दिन की कल्पना कीजिए, हर दिन आपको दिन आपको कितना सक्रीय बनायेंगे|”



क्रोध पर सुविचार |

“क्रोध में आप अपने लिए सही दवा कभी नहीं चुन सकते हैं |”

“ख्यालो का सर में प्रशोभ क्रोध है, ख्याल फिर से स्थिर होने के काबिल है, इस बारे में भी जरूर विचार करे |”

“अगर आपको गुस्सा आये तो पहले उसके दुष्परिडाम की कल्पना कीजिए, उसके बाद की कल्पना कीजिए, वे शांत हो जायेंगा |”

“सपनो और इच्छाओं के लिए क्रोधित होना भलेही लाभदायक हो,परन्तु सपनो और इच्छाओं की वजह से क्रोधित होना लाभदायक नहीं होता |”

“क्रोध क्या है, वे जो आपको ये बताये की आपकी अन्दर शैतान छिपा है, ये आपपर निर्भर करता है की आप उससे दूरियां बनाते हैं या नहीं |”

“मन क्रोधित होना ऐसा है जैसे बाँध में बाड़ का पानी भर आना, पानी का बहाव जब स्थिर हो जाता है जिन्दगी फिर से एक चमकती झील सामान लगने लगती है |”

“वह इंसान जो अपने घर परिवार वालो पर अपना क्रोध का प्रशिक्षण करता होगा, वे दुनिया का सबसे गिरा हुआ व्यक्ति होगा |”



अतीत पर सुविचार |

“अतीत के खयाल पारदर्शी रूप से आपके वर्तमान से जुड़े होते हैं | एक सकारात्मक हतोड़े से उनपर प्रहार करे, और नष्ट करे |”

“अतीत में जिआ हुआ लम्हा काफी नहीं होता यह बयान करने के लिए की आप कौन हैं, जन्म के वक्त क्या आपको यह याद था की आप अतीत में कौन थे ?”

“अगर एक बुरा अतीत आपका पास है तो उसे नष्ट कर दीजिए, इससे पहले वे आपके वर्तमान को नष्ट करे |”

“एक डर भरे अतीत में जाना, बराबर है उसी कमरे में वापिस जाने के जहां आपको अचनक यह याद आता है की अपने वहाँ एक भूत देखा था |”

“अगर हमारा अतीत एक बुरी कहानी है जो हमने सुनी है, तो भविष्य एक बेहतर कहानी होगी जो लिखी जायेगी |”

“एक बुरे अतीत से नोक जोक करना, समान है एक गाली गलोज करने वाले व्यक्ति से वार्ता करना, आपको उसे नज़रंदाज़ करना होगा, उसपर जीत हासिल करने के लिए |”

“कर्मों के नज़रिए से देखें तो अतीत वह है जो मौत के बाद भी हमारा पीछा नहीं छोड़ता, बेहतर होगा अगर आप अतीत भुलाकर एक सुन्हेरे कल में जीना शुरू करें।”



मन पर सुविचार ।

“मन मन को खींचता है, मन मन को नकारता करता है, यह जीवन का एक मुख नियम है ।”

“सिर्फ मनुष्य वह जीव है जो मन की दशा दर्शाने में उत्साहित महसूस करता है। दुनिया में मौजूद सभी जीव प्राणियों का मन एक सामान है, मन की दशा नहीं ।”

“आन्तरिक तौर हम एक मन और ख्याल का रूप है, हमारी मन की दशा वह है जो हमारे मन पर पड़ रहे बाहरी प्रभाव से उत्पन्न होती है ।”



विश्वास पर सुविचार |

“दुनिया में वे लोग सबसे ज्यादा सहते हैं जो खुद पर से विश्वास खो देते हैं।”

“विश्वास आपको पूरी तरह से बदल देगा, जब आप विश्वास ना करने की वजह को पूरी तरह से बदल डालेंगे।”

“विश्वास एक नए जन्म के समान होता है, जो खुद पर विश्वास करता है, वे अपनी एक नयी और बेहतर जिन्दगी की शुरुआत करता है।”

“एक सीमा तक विश्वास कीजिए | और अगर आप उस सीमा पर जाकर ठहर जाए तो वैसी बहुत सी सीमाओं के लिए कीजिए।”

“उस चीज़ के लिए विश्वास ज़रूर कीजिए जिसके लिए भगवान् ने आपको बनाया है | भले ही अपने विश्वास करना छोड़ा है, पर उस परमात्मा ने आपकी कहानी लिखना नहीं छोड़ा।”

“आपको एक ही वक्त पर काफी सारे विश्वास करने की कोई ज़रूरत नहीं है, ज़रूरत हैं एक विश्वास को कई ज्यादा करने की।”

“आप सभी के अन्दर एक सकारात्मक विश्वास कायम होता है जिसमे

ताकत होती है | वे ताकत जो आपको आगे बढ़ते रहने में मदद करती है,
वे ताकत जो आपको बदल देती है |”



डर पर सुविचार |

“डरिए नहीं | हर दिन की रात होती है,
हर रात की सुबह |”

“डर में जीवन जीना आधा अधूरा जीवन जीने के समान है |”

“डर और नकारात्मकता दोनों एक दुसरे के सगे सम्बन्धी की तरह है, इसलिए
इनका रिश्ता ख़त्म कीजिए |”

“वो वक्त जब आप सबसे ज्यादा डरे हुए होते हैं, वे वक्त होता है जब कोई ये
एहसास नहीं कर सकता की आप सबसे ज्यादा है |”

“डर आपको अपने स्तर पर ले जायेंगा, अगर आप डर को अपने स्तर पर ना ले
जाए तो |”

“डर नकारात्मकता से आती है, नकारात्मकता ख्यालों से आती है, ख्याल मन
में उत्पन होते हैं, इसलिए मन बदलिए |”

“वे इंसान जो हर चीज़ में डर को तलाशता है, वे खुली आँखों से अंधा है |”

“डर आता है, डर चले जाता है, वे सदा के लिए मन में कभी नहीं रहता |”



साधना पर सुविचार |

“बाहरी आँखों से मन की आँख तक का सफ़र साधना है |”

“हम वे नहीं हैं जो हम खुली आँखों से हैं, हम वास्तव में वे हैं जो हम बंद आँखों से हैं |”

“भगवान् का एक एक कर्ण हर एक जीव प्राणी के भीतर है | सभी जीव को इकठा करके आन्तरिक नज़रिए से देखिए, देखिए भगवान् कहाँ है |”

“साधना आन्तरिक तौर पर मन को पवित्र करती है | साधना से हर नकारात्मक विचार को पराजित करने की ताकत है |”

“परमात्मा में सच्ची आस्था वही है जो सिर्फ मन से की जाएँ, तन और धन से नहीं |”

“सिर्फ मनुष्य वह जीव है, जो मन में आस्था जगाने के काबिल है, मन को परमात्मा की ओर ले जाने के काबिल है |”

“चाहे फिर खुद से जितना दूर क्यों ना चले जाएँ, अंत में आपको खुदी में समा जाना है |”



जीव हत्या पर सुविचार |

“मनुष्य और बाकी जानवरों में फर्क सिर्फ इतना है की वे जो ये जानते हैं
की जानवरों को खाने के लिए मारना गलत है, वे मनुष्य है |”

“अगर अपने एक जीव को काटा, अपने भगवान् के एक कर्ण को कटा |
भगवान् का एक दूसरा कर्ण आपको इसकी सज़ा ज़रूर देगा |”

भाग ४

अंत

सन्देश..

आज के ज़माने से सकारात्मक सोच हमारे जीवन की वे चाबी है जो भविष्य से जुड़े कई ऐसे रस्ते खोल देती है, जो हमें सफलता की ओर ले जाते हैं | चाहे फिर आपका कार्य जो भी है, सकारात्मक सोच और विश्वास उस परस पत्थर के सामान है जो पत्थर को भी सोना बना देता है |

मैं आपको अपने बारे में कुछ बताता हूँ | वे सकारात्मक सोच ही थी जिसकी सहारे मैंने अपनी यह पुस्तक सफलता पूर्वक लिख पाया, और जिसने मेरा वक्त बदला | मैंने अपने जीवन में कभी हार नहीं मानी और खुद में सकारात्मक सोच और विश्वास रखा, इसी का परिणाम रहा, जो अपनी ये किताब सफलता पूर्वक लिख पाया |

सच तो ये है की मैंने ये पुस्तक पैसों के लिए नहीं लिखी, बल्कि इसलिए लिखी ताकि लोगो की मदद कर सकूँ और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकूँ | मैं इस ख्यालों से गुज़र चूका हूँ इसलिए मैं जानता हूँ की एक इंसान को सकारात्मक सोच और सकारात्मक विचार की कितनी ज़रूरत पड़ती है उन लम्हों में जब परिस्थितियाँ उनके खिलाफ हो जाती है | वे पल जब वो लचर होते हैं और उम्मीद हार जाते

है, बजाए ये सोचने के की कैसे उन परिस्थितियों से निकला जाए जिनके निर्माता वे नहीं है |

*

पॉजिटिव- आई ऍम पॉजिटिव- यह किताब उन सब लोगो के लिए वरदान है | आप ये पूरी किताब (जिसमे सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने से जुड़े कई महत्पूर्ण लेख हैं) , नीचे दी गयी लिंक से खरीद सकते हैं |

Flipkart- <http://www.flipkart.com/positive-am-positive/p/itmegfvjawbyynge?pid=9781943851607>

Amazon- <http://www.amazon.in/dp/1943851603>

shopclues- <http://www.shopclues.com/positive-i-am-positive.html>

paytm- https://paytm.com/shop/p/positive-i-am-positive-9781943851607_46164

अगर आपको ये ईबुक अच्छी लगी तो इसे ज़रूरत मंद लोगो तक ज़रूर पहुचाये, हो सकता है ये किताब मुश्किल परिस्थियों में किसी की मदद कर दे |

अपने विचार मुझे ईमेल के ज़रिये भेजे...

Email- writerkanishksharma@gmail.com

वेबसाइट- <http://goo.gl/V43CuG>

उपन्यास- सेंट पीटर्सबर्ग हाई स्कूल का शाप. के बारे में कुछ शब्द ...

“सेंट पीटर्सबर्ग हाई स्कूल का शाप” यह काफी दिसचस्प उपन्यास है ये एक ट्राइलॉजी है, इसलिए इसे लिखने में मुझे काफी वक्त लगा....| इसकी कहानी में हर मोड़ पर सस्पेंस ही सस्पेंस है |

यह तीन दोस्तों की कहानी है जो अपना स्कूल बंद करके सेंट पीटर्सबर्ग, फ्लोरिडा के जंगलों में कदम रख देते हैं और फिर एक ऐसे स्कूल (सेंट पीटर्सबर्ग हाई स्कूल) में पहुँच जाते हैं जिसके बारे में शहर में किसी को नहीं मालूम...

यह स्कूल आम स्कूल से एक दम अलग होता है
क्युकी यहाँ पढाई नहीं होती, बल्कि अजीब अजीब किस्म
की लड़ाईयों होती है | इस स्कूल में जाकर वो ये देखते
है की हर कोई एक शाप से बंधा है और जो कोई भी इस
शाप की चपेट में आता है, वो हमेशा हमेशा के लिए
स्कूल में कैद होकर रह जाता है ...यहाँ उन्हें एक साथी
भी मिलता है, जो उनका अंत तक साथ देता है...और
फिर आखिर में एक ऐसा वक्त आता है, जब तीनों शाप
को ही खत्म कर डालते है, और सबको वहां से आज़ाद
करा देते है |

यह उपन्यास थोडा थोडा J.R.R TOLKINS और J.K
ROWLINGS की लिखी हैरी पॉटर और होबिट जैसा है |

यह उपन्यास आने वाले वक्त में इन वेबसाइटों पर
उपलब्ध होगा...

Flipkart,amazon,shopclues,paytm

इस कहानी से जुडी एक झलक यहाँ ज़रूर देखे...

<https://goo.gl/nXfcTI>

